

पदमैत्री स्त्री. (तत्.) काव्य. 1. काव्य की रचना-शैली (कैशिकी, भारती, सात्वती और आरभटी) के अनुरूप वर्णों शब्दों या पदों का संयोजन, वर्णमैत्री 2 किसी छंद या पद्य में एक ही शब्द या वर्ण की चमत्कारपूर्ण आवृत्ति, अनुप्रास।

पदयात्रा स्त्री. (तत्.) प्रयोजन विशेष के लिए पैदल की जाने वाली यात्रा।

पदयोजना स्त्री. (तत्.) काव्य. कविता के लिए पदों का विन्यास, शब्द मिलाकर पद बनाना किसी चरण, पद या वाक्य आदि में शब्दों को बैठाया जाना।

पदलोप पुं. (तत्.) व्या. संयुक्त या मिश्र वाक्यों में पुनरावृत्त संज्ञा, क्रिया आदि पदों या पदबंधों का लोप।

पदवाना स.क्रि. (देश.) पदाना का प्रेरणार्थक रूप, पदाने का कार्य दूसरे से कराना।

पदविच्छेद पुं. (तत्.) दे. पदच्छेद।

पदवी स्त्री. (तत्.) 1. किसी संस्था, संगठन, व्यवस्था, राज्य या राष्ट्र द्वारा योग्य व्यक्ति को दिया गया मानसूचक पद, उपाधि, खिताब, ओहदा जैसे- रायसाहब, सर दीवान शहब, भारत रत्न, आचार्य आदि 2. पंथ, रास्ता, मार्ग 3. पद धति, परिपाटी, तरीका।

पदवीदान समारोह पुं. (तत्.) दीक्षांत समारोह, समावर्तन संस्कार।

पदस्थ वि. (तत्.) 1. अपने पैरों पर खड़ा होने वाला, पदधारी, पदासीन 2. किसी पद-विशेष पर नियुक्त 3. अपने पैरों के बल चलने वाला 4. पैदल चलने वाला।

पदस्थान पुं. (तत्.) 1. पदांक, पद-चिह्न 2. वह स्थान जहाँ पैर रखा गया हो।

पदांक पुं. (तत्.) पैर का निशान, पदचिह्न।

पदांगी स्त्री. (तत्.) 1. लाल रंग का लजालू 2. लजालु नामक पौधा जिसको छूने से उसकी

पत्तियाँ मुरझा या सूख जाती हैं 3. हंसपदी नामक लता।

पदांत पुं. (तत्.) 1. किसी पद या श्लोक का अंतिम भाग 2. तलवा, पैर।

पदांतर पुं. (तत्.) 1. दूसरा कदम 2. दूसरा पद या स्थान 3. एक डग की दूरी, दो पैरों के बीच की दूरी।

पदांत्य वि. (तत्.) 1. पद के अंत में स्थित पद के अंत में रहने वाला, अंतिम 2. किसी श्लोक या पद्य का अंतिम भाग।

पदाक्रांत वि. (तत्.) पाँवों से कुचलला हुआ, रौंदा या दबाया हुआ।

पदाचार पुं. (तत्.) पैर रखना, पद-संचार, गमन। पैर चलाना।

पदात पुं. (तत्.) दे. पदाति।

पदाति पुं. (तत्.) 1. पैदल चलने वाला, पैदल यात्री, प्यादा 2. पैदल सैनिक या सिपाही 3. नौकर, सेवक 4. जनमेजय के एक पुत्र का नाम।

पदातिक पुं. (तत्.) 1. वह जो पैदल चलता हो 2. पैदल सिपाही।

पदाती पुं. (तत्.) पैदल सैनिक, पैदल चलने वाला।

पदादि पुं. (तत्.) 1. शब्द का प्रथमाक्षर 2. छंद का प्रारंभ।

पदाधिकारी पुं. (तत्.) 1. किसी पद पर नियुक्त हुआ, ओहदेदार अथवा ओहदे वाला व्यक्ति 2. किसी पद पर अधिकार पूर्वक कार्य करने वाला अधिकारी, अफसर।

पदाना स.क्रि. (देश.) 1. बहुत अधिक छकाना, दौड़ाना, भगाना 2. पादने का कार्य (अपान वायु निकालने का कार्य) किसी अन्य से कराना 3. परेशान करना, छक्के छुड़ाना यथा- उसे बार बार क्यों पदाते हो? गुल्ली-डंडे के खेल में सभी ने मिलकर उसे खूब पदाया।